हिंदी विशेष तृतीय वर्ष सेमेस्टर 5

(अस्मिता मूलक विमर्श)

1) दलित विमर्श की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसमें बाबा साहेब फुले और भीमराव अंबेडकर के योगदान को स्पष्ट कीजिए

2) भारतीय तथा पाश्चात्य स्त्री विमर्श को स्पष्ट कीजिए ।

3) आदिवासी विमर्श जल जंगल और जमीन की पहचान का प्रश्न है स्पष्ट कीजिए ।

4) ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानी "सलाम " मे अभिव्यक्त दलित विमर्श को स्पष्ट कीजिए।

5) धूणी तपे तीर उपन्यास में अभिव्यक्त आदिवासी चेतना पर प्रकाश डालिए ।

6) नासिरा शर्मा की कहानी खुदा की वापसी किस प्रकार नारियों की समस्या से संबंधित है स्पष्ट कीजिए ।

7) अछूतानंद की कविता दलित कहां तक पढ़े रहेंगे का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

8) सोनवा का पिंजरा कविता में अभिव्यक्त वेदना को स्पष्ट कीजिए।

9) प्रभा खेतान की "अन्या से अनन्या "नारी सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है स्पष्ट कीजिए।

10) तुलसीराम की मुर्दहिया मेंअभिव्यक्त उनके बचपन की तकलीफों को स्पष्ट कीजिए।

11) सात भाइयों के बीच चंपा की मूल संवेदना अभिव्यक्त कीजिए

12) महादेवी वर्मा के "स्त्री के अर्थ स्वतंत्र का प्रश्न "का सार अपने शब्दों में लिखिए।

13)सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

14) "कितनी व्यथा"की मूल संवेदना लिखिए ।

15) " दलित कहां तक पढ़े रहेंगे "का प्रतिपाद्य लिखिए ।